Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education
Vol. 18, Issue No. 4, July-2021, ISSN 2230-7540

शिक्षकों की प्रभावशीलता का भावनात्मक बुद्धिमत्ता, योग्यता और रचनात्मकता पर अध्ययन

Reena Chauhan[1]*, Dr. Sarvesh Singh[2]

[1] Research Scholar, Shri Krishna University, Chhatarpur M.P.

[2] Professor, Shri Krishna University, Chhatarpur M.P.

सार - ***यह शोध कक्षाओं में शिक्षकों की प्रभावशीलता का अध्ययन करने और कक्षाओं के अवलोकन से शिक्षक की क्षमता का अध्ययन करने के लिए तैयार किया गया था। अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य शिक्षक प्रभावशीलता के लिए आवश्यक शिक्षक दक्षताओं की पहचान करना और शिक्षकों द्वारा उपयोग किए जाने वाले कक्षा अभ्यासों का पता लगाना था। सैंपलिंग के लिए लॉटरी सिस्टम सैंपलिंग तकनीक का इस्तेमाल किया गया, इस शोध के लिए 500 शिक्षकों और 1000 छात्रों को शामिल किया गया। प्रश्नावली और कक्षा अवलोकन के माध्यम से एकत्रित डेटा। समग्र शिक्षक प्रभावशीलता और भावनात्मक बुद्धिमत्ता के लिए शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम की निगरानी के साथ-साथ शिक्षक के प्रदर्शन के साथ-साथ कक्षा के प्रदर्शन पर उच्च प्रभाव पड़ता है।***

कीवर्ड - ***शिक्षकों, प्रभावशीलता, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, योग्यता, रचनात्मकता***

----------X----------

परिचय

शिक्षक सामाजिक पुनर्निर्माण और एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी के ज्ञान, ज्ञान और अनुभवों के हस्तांतरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बच्चे देश की सम्भावित संपत्ति होते हैं। वे हमेशा शिक्षक की जानकारी के संपर्क में रहते हैं। इसलिए यह महसूस करना आवश्यक है कि उभरता हुआ भारतीय समाज उन शिक्षकों की मदद से सर्वांगीण विकास प्राप्त कर सकता है जो अपने पोषित मूल्यों को प्रसारित करने में एक शक्तिशाली एजेंसी के रूप में कार्य करते हैं। एक शिक्षक न केवल एक राष्ट्र के मूल्यों का संरक्षक होता है बल्कि नए मूल्यों का एक उत्कृष्ट वास्तुकार भी होता है। डॉ. एस. राधाकृष्णन ने उपयुक्त टिप्पणी की है, "समाज में शिक्षक का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। वह पीढ़ी-दर-पीढ़ी बौद्धिक परंपरा और तकनीकी कौशल के प्रसारण के बिंदु के रूप में कार्य करता है और सभ्यता के दीपक को जलता रहने में मदद करता है।

माध्यमिक शिक्षा आयोग (1952-53) ने ठीक ही कहा है, "हालांकि, हम आश्वस्त हैं कि चिंतनशील शिक्षा पुनर्निर्माण में सबसे महत्वपूर्ण कारक शिक्षक, उसके व्यक्तिगत गुण, उसकी शैक्षिक योग्यता, उसका व्यावसायिक प्रशिक्षण और वह स्थान है जहाँ वह रहता है। स्कूल में भी और समाज में भी।" शिक्षा पर राष्ट्रीय नीति 1986 शिक्षक और शिक्षा में वांछनीय परिवर्तन लाने में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देती है। इसमें कहा गया है, "सरकार और समुदाय को ऐसी स्थितियाँ बनाने का प्रयास करना चाहिए जो रचनात्मक और रचनात्मक लाइनों पर शिक्षकों को प्रेरित और प्रेरित करने में मदद करें। शिक्षकों को नवाचार करने, संचार के उपयुक्त तरीके और समुदाय की जरूरतों और योग्यताओं और चिंताओं के लिए प्रासंगिक गतिविधियों को विकसित करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए।

आधुनिक समय के स्कूल भले ही उन गुरुकुलों से अलग हों लेकिन दोनों का मकसद कमोबेश एक जैसा है और वह है अपने बच्चों को शिक्षित करना और बच्चे का सर्वांगीण विकास करना। हमारे स्कूलों को बच्चों के लिए स्वागत स्थान बनना चाहिए, जहाँ बहुत मज़ा और हँसी हो। हमारे बच्चों की तीखी, बेहिचक खिलखिलाहट और हंसी-चिल्लाहट हमारे स्कूलों में गूंजनी चाहिए। हमारे स्कूलों में रोने, रोने और रोने की जगह नहीं होनी चाहिए। शिक्षकों को पालक-माता-पिता होना चाहिए, जो धीरे-धीरे, फिर भी दृढ़ता से बच्चों की नियति का मार्गदर्शन करते हैं। उन्हें बच्चों से प्यार और सम्मान करना चाहिए, इसलिए उन्हें

www.ignited.in

बच्चों से बदले में वही मिलेगा। शिक्षकों को न केवल अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देनी चाहिए बल्कि उन्हें अपने बच्चों के साथ अच्छा व्यवहार भी करना चाहिए। इससे एक अच्छा स्कूल बनेगा, क्योंकि हमारे देश के लिए अच्छे स्कूलों से बड़ी कोई उम्मीद नहीं है, जो वास्तव में प्रभावी स्कूल हैं।

साहित्य की समीक्षा

प्रतिभा (2017) ने प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की उनकी लिंग और शैक्षिक योग्यता के संबंध में शिक्षण योग्यता पर एक अध्ययन किया। अध्ययन वर्णनात्मक प्रकृति का था। प्राथमिक विद्यालय के 300 शिक्षकों का नमूना लिया गया। बी.के. द्वारा सामान्य शिक्षण योग्यता स्केल (GTCS)। पासी और एम.एस. ललिता का उपयोग डेटा संग्रह के लिए किया गया था। निष्कर्षों से पता चला कि शैक्षिक योग्यता और लिंग प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की समग्र शिक्षण योग्यता को प्रभावित नहीं करते हैं।

डोलेव और लेशेम्ब (2016) ने इस्राइल में शिक्षकों के भावनात्मक बुद्धिमत्ता पर शिक्षक केंद्रित भावनात्मक बुद्धिमत्ता प्रशिक्षण के प्रभाव की जांच के लिए एक अध्ययन किया। अध्ययन ने एक स्कूल में दो साल के ईआई प्रशिक्षण, समूह कार्यशालाओं और व्यक्तिगत कोचिंग को नियोजित किया। अध्ययन में एक मिश्रित पद्धति का इस्तेमाल किया गया, जिसमें प्री-पोस्ट EQ-i मूल्यांकन और अर्ध-संरचित साक्षात्कार का उपयोग किया गया। इस अध्ययन के प्रतिभागी सभी प्रशिक्षण प्रतिभागी थे- 21 शिक्षक: 4 पुरुष और 17 महिलाएँ, जिनकी आयु 33 से 64 के बीच थी। सभी शिक्षक अनुभवी शिक्षक थे और उन्होंने कम से कम 5 वर्षों तक स्कूल में काम किया था। निष्कर्ष बताते हैं कि बार-ऑन मॉडल द्वारा परिभाषित प्रशिक्षण कार्यक्रम को प्रतिभागियों ने अपनी भावनात्मक बुद्धिमत्ता दक्षताओं को बढ़ाने के लिए माना था। अधिकांश प्रतिभागियों ने इन दक्षताओं को अपनी व्यक्तिगत, पेशेवर और समूह पहचान में एकीकृत किया और अपने भावनात्मक बुद्धिमत्ता -संबंधित व्यवहारों को संशोधित किया।

कौर और तलवार (2016) ने भावनात्मक बुद्धिमत्ता के संबंध में माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की शिक्षण योग्यता पर एक अध्ययन किया। न्यादर्श के लिए यादृच्छिक रूप से 100 माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों का चयन किया गया। डेटा संग्रह के लिए सामान्य शिक्षण योग्यता स्केल (GTCS), और इमोशनल इंटेलिजेंस स्केल (EIS) का उपयोग किया गया था। अध्ययन के निष्कर्ष शिक्षकों की शिक्षण योग्यता और उनकी भावनात्मक बुद्धिमत्ता के बीच एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक संबंध प्रकट करते हैं। लेकिन सरकारी और निजी माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ाने वाले माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की शिक्षण योग्यता के साथ-साथ भावनात्मक बुद्धिमत्ता के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया। यह भी पाया गया कि शिक्षण योग्यता और भावनात्मक बुद्धि लिंग से प्रभावित नहीं हैं।

कार्यप्रणाली

अध्ययन का नमूना

अनुसंधान का प्राथमिक उद्देश्य उन सिद्धांतों की खोज करना है जिनका सार्वभौमिक अनुप्रयोग है, लेकिन सामान्यीकरण पर पहुंचने के लिए पूरी आबादी का अध्ययन करना असंभव नहीं तो अव्यवहारिक होगा। इसकी व्यवहार्यता बनाने के लिए, पूरे शोध कार्य में नमूना लेने की प्रक्रिया एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वर्तमान अध्ययन में सागर जिले के सभी माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की जनसंख्या का गठन किया गया। प्रारंभ में, प्रत्येक स्कूल से, शोधकर्ता लॉटरी पद्धति का पालन करके यादृच्छिक रूप से शिक्षकों और छात्रों को लेंगे और लगभग 500 शिक्षकों और 1000 छात्रों को स्कूलों से सूचीबद्ध किया गया।

अध्ययन के तरीके

आवश्यक डेटा एकत्र करने के लिए एक व्यवस्थित प्रक्रिया को अपनाना आवश्यक है, जो जांच के तहत अध्ययन की परिकल्पनाओं का परीक्षण करने के लिए शोधकर्ता की अंतर्दृष्टि को उत्तेजित करता है। अनुसंधान करने के कई तरीके हैं। अनुसंधान पद्धति का चयन समस्या की प्रकृति से निर्धारित होता है। यह एक स्पष्ट तथ्य है कि वर्तमान अध्ययन वर्णनात्मक सर्वेक्षण पद्धति से जुड़ा एक कार्योत्तर प्रकार का अध्ययन है। एक्स-पोस्ट फैक्टो अनुसंधान व्यवस्थित अनुभवजन्य जांच है जिसमें वैज्ञानिक का स्वतंत्र चरों पर सीधा नियंत्रण नहीं होता है क्योंकि उनकी अभिव्यक्तियाँ पहले ही हो चुकी होती हैं या क्योंकि वे स्वाभाविक रूप से हेरफेर नहीं करते हैं।

अध्ययन के उद्देश्य और इसकी संबंधात्मक प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, सहसंबंधों और अंतरों की जांच करने की योजना बनाई गई है। सह-संबंधपरक अध्ययन में, अवलोकन के विपरीत, अनुसंधान रुचि के क्षेत्र से चुने गए विशिष्ट चरों का हेरफेर शामिल है। एक चर में हेरफेर का अर्थ है चर के विभिन्न मात्राओं या विभिन्न मूल्यों की उपस्थिति के लिए व्यवस्था करना। सह-संबंधपरक अनुसंधान में, हेरफेर हमेशा किसी प्रकार की चयन

www.ignited.in

प्रक्रिया द्वारा पूरा किया जाता है। इस प्रकार सह-संबंधपरक दृष्टिकोण को अपनाकर शिक्षक प्रभावशीलता और भावनात्मक बुद्धि, और शिक्षक प्रभावशीलता और शिक्षक योग्यता और शिक्षक प्रभावशीलता और शिक्षक रचनात्मकता के बीच संबंधों को समझने का प्रयास किया जा रहा है। इस तरह के दृष्टिकोण के साथ वैध निष्कर्ष निकालने के लिए नीचे चर्चा की गई कुछ आवश्यक सावधानियां बरती गई हैं।

दो चरों के बीच किसी भी संबंध में यह केवल संघों की डिग्री है जो प्रकट होती है। कठिनाई तब स्पष्ट हो जाती है जब नकारात्मक सहसंबंध उत्पन्न होते हैं। ऐसी स्थिति में गुणांक यह स्पष्ट नहीं करता है कि X पर प्राप्तांक विपरीत दिशा में हैं अर्थात घट रहे हैं जबकि Y पर प्राप्तांक बढ़ रहे हैं या इसके विपरीत। तुलना के तहत एक चर में विशिष्ट परिवर्तन के बारे में स्पष्ट जानकारी प्राप्त करने के लिए, भावनात्मक बुद्धि के तीन स्तरों पर ब्याज के चर पर औसत मूल्यों के बीच अंतर के महत्व का परीक्षण करके शिक्षक प्रभावशीलता अंतर प्राप्त करने पर ध्यान दिया गया है। इसलिए, वर्तमान जांच के लिए दो चरण के अध्ययन की योजना बनाई गई थी। पहले चरण में कुल नमूने के भीतर शिक्षक प्रभावशीलता और भावनात्मक बुद्धि/शिक्षक योग्यता/शिक्षक रचनात्मकता चर के बीच सहयोग की डिग्री प्राप्त की जानी है। एसोसिएशन का गहराई से अध्ययन करने के लिए, भावनात्मक बुद्धि शिक्षक योग्यता और शिक्षक रचनात्मकता के तीन स्तरों पर सहसंबंध की जांच की जानी है। 'उच्च' 'मध्यम' और 'निम्न' समूह। विश्लेषण के दूसरे चरण में, सह-संबंधपरक अध्ययनों की कुछ कमियों को पूरा करने का प्रयास किया जाता है जिसमें वे कार्य-कारण के बारे में कोई विचार नहीं देते हैं। यह भावनात्मक बुद्धि, शिक्षक योग्यता और शिक्षक रचनात्मकता के तीन स्तरों पर शिक्षक प्रभावशीलता चर में अंतर का अध्ययन करके संभव होगा। शिक्षक का यह समूह भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शिक्षक योग्यता और शिक्षक रचनात्मकता पर 'चरम' समूह का गठन करने के लिए मानदंड यानी मीन, एसडी को लागू करके किया गया था।

अध्ययन के उपकरण

चयनित प्रतिदर्शों से आँकड़े एकत्रित करने के लिए इनमें से निम्नलिखित उपकरणों का प्रयोग किया गया है, चार उपकरण अर्थात् शिक्षक प्रभावशीलता मापनी, भावनात्मक बुद्धि मापनी, शिक्षक योग्यता मापनी तथा शिक्षक सृजनात्मकता मापनी को क्रमशः स्वयं अनुसंधानकर्ता द्वारा अनुकूलित एवं विकसित किया गया है।

i) शिक्षक प्रभावशीलता पैमाना: स्वयं शोधकर्ता द्वारा।

ii) शिक्षक भावनात्मक बुद्धिमत्ता पैमाना: स्वयं शोधकर्ता द्वारा।

iii) शिक्षक योग्यता पैमाना: स्वयं शोधकर्ता द्वारा।

iv) शिक्षक रचनात्मकता पैमाना: स्वयं शोधकर्ता द्वारा।

डेटा संग्रहण

प्रथम चरण में संबंधित विद्यालयों के शिक्षकों के साथ अच्छा तालमेल स्थापित किया गया ताकि असाइनमेंट सावधानीपूर्वक किया जा सके। कार्य सौंपने से पहले, अध्ययन में प्रयुक्त प्रत्येक परीक्षण के निर्देश स्पष्ट कर दिए गए थे। प्रधानाध्यापकों को भी यही समझाया गया और उपकरण प्रशासनिक व्यवहार पैमाना प्रशासित किया गया। सभी को स्केल भरने की प्रक्रिया स्पष्ट कर दी गई। अन्वेषक ने सभी आविष्कारों को एकत्र किया और प्रिंसिपल सहित सभी को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। यही प्रक्रिया सभी स्कूलों में अपनाई गई। इस प्रकार एकत्र की गई सूची को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार स्कोर किया गया और प्राप्त आंकड़ों को विश्लेषण और व्याख्या के लिए दर्ज किया गया।

दूसरे चरण में, परीक्षण के प्रशासन से पहले, आवश्यक कदम उठाए गए थे और प्रत्येक स्कूल के लिए उचित सावधानी बरती गई थी। व्यवस्था से संतुष्ट होने के बाद, अन्वेषक ने संबंधित स्कूलों के छात्रों को निर्देश दिया और शिक्षक प्रभावशीलता पैमाने को ध्यान से रेटिंग करके अपने स्कूल के शिक्षकों की प्रभावशीलता के बारे में अपनी स्वतंत्र और स्पष्ट राय देने का विश्वास गढ़ा। उन्हें यह भी सूचित किया गया कि उनका अकादमिक करियर प्रभावित नहीं होगा क्योंकि यह केवल शोध के उद्देश्य से किया गया एक अभ्यास था और उनकी प्रतिक्रियाएँ पूरी तरह से गोपनीय रहेंगी। इसलिए उन्हें प्रश्नों का प्रयास करने में स्वतंत्र और स्पष्ट, ईमानदार और ईमानदार होना चाहिए।

डेटा विश्लेषण और व्याख्या

एकत्र किए गए डेटा का मात्रात्मक और गुणात्मक विश्लेषण किया गया था। चूंकि डेटा कई स्रोतों के माध्यम से एकत्र किया गया था। निष्कर्षों को सही परिप्रेक्ष्य में रखने के लिए, विभिन्न दृष्टिकोणों से डेटा का विश्लेषण करने के लिए त्रिकोणासन की तकनीक को अपनाया गया था। डेटा विश्लेषण में वर्णनात्मक सांख्यिकीय उपकरण भी लागू किए गए थे। प्रश्नावली के माध्यम से एकत्रित आंकड़ों का तीन स्तरों पर विश्लेषण किया गया। प्रश्नावलियों की सारणियों के रूप में शिक्षकों से संबंधित सामान्य जानकारी प्रस्तुत की गई, जिसका विश्लेषण बारंबारता घटना और प्रतिशत चार बिंदु पैमाने पर किया गया। शिक्षक से एकत्र किए गए डेटा का चार अंक रेटिंग स्केल पर विश्लेषण किया गया था, परिणाम प्राप्त करने के लिए तकनीकों और रैंकिंग पद्धति से एकत्र किए गए डेटा का विश्लेषण किया गया

www.ignited.in

था। इसी प्रकार चार बिन्दु मापनी पर प्रश्नावली के माध्यम से एकत्रित आँकड़ों का भी गुणात्मक विश्लेषण किया गया। पहले चरण में, अध्ययन के तहत विभिन्न चर के समूहों के बीच संबंध का पता लगाने के लिए सहसंबंध के गुणांक की गणना की जाती है। दूसरे चरण में, अध्ययन के तहत विभिन्न चर के समूहों के बीच महत्वपूर्ण अंतर का पता लगाने के लिए महत्वपूर्ण अनुपात (t-टेस्ट) को नियोजित किया गया।

डेटा विश्लेषण

शिक्षक प्रभावशीलता प्रश्नावली के परिकल्पना संकेतकों का वर्णनात्मक विश्लेषण और व्याख्या- शिक्षक प्रभावशीलता

शिक्षक से प्रश्नावली के माध्यम से एकत्र किए गए डेटा को वर्णनात्मक आंकड़ों के माध्यम से सारणीबद्ध और विश्लेषण किया गया था और प्रत्येक कथन पर $\chi 2$ परीक्षण लागू किया गया था। प्रश्नावली में 50 प्रश्न होते हैं। प्रत्येक प्रश्न के चार विकल्प हैं - कभी नहीं, कभी-कभी, कई बार और हमेशा। 1000 छात्रों से डेटा एकत्र किया जाता है। पहले प्रत्येक पैमाने पर प्रतिक्रिया की गणना प्रतिशत वार की गई और फिर $\chi 2$ परीक्षण लागू किया गया। इसका उपयोग पूर्व-निर्धारित मूल्य के अनुसार कुछ संकेतकों की स्वीकार्यता दिखाने के लिए किया जाता है। प्रत्येक सूचक और बाद के $\chi 2$ परीक्षण पर प्राप्त मान निम्नानुसार दिए गए हैं:

तालिका दर्शाती है कि $\chi 2$ का परिकलित मान 225 पाया गया जो 0.05 स्तर पर तालिका मान से अधिक है। उत्तरदाताओं का झुकाव (37.50%) "कभी नहीं" की ओर है इसलिए कथन "शिक्षक पाठ के लक्ष्य और उद्देश्यों की व्याख्या करें" को अस्वीकार किया जाता है। इसे निम्नलिखित चित्र में भी प्रस्तुत किया गया है।

तालिका 1: शिक्षक पाठ के लक्ष्यों और उद्देश्यों की व्याख्या करता है

	कभी नहीं	कभी-कभी	कई बार	हमेशा	कुल	χ^2
संख्या	375	125	312	187	1000	225
प्रतिशत	37.5	12.5	31.2	18.75	10	

महत्वपूर्ण **df = 4 χ2 0.05** स्तर **= 9.488** पर

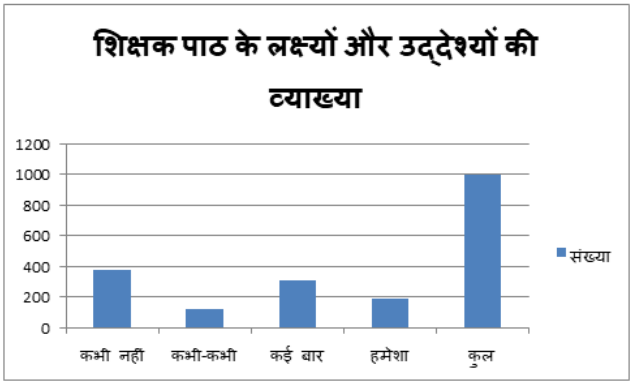

आकृति 1: शिक्षक पाठ के लक्ष्यों और उद्देश्यों की व्याख्या करता है

तालिका दर्शाती है कि $\chi 2$ का परिकलित मान 217.67 पाया गया जो 0.05 स्तर पर तालिका मान से अधिक है। उत्तरदाताओं का झुकाव (30.1%) "कई बार" की ओर है इसलिए कथन "शिक्षक के पास पाठ पढ़ाने के लिए आवश्यक सभी शिक्षण सहायक उपकरण और संसाधन हैं" स्वीकार किया जाता है। इसे निम्नलिखित चित्र में भी प्रस्तुत किया गया है।

तालिका 2: शिक्षक के पास पाठ पढ़ाने के लिए आवश्यक सभी शिक्षण सहायक सामग्री और संसाधन हैं।

	कभी नहीं	कभी-कभी	कई बार	हमेशा	कुल	χ^2
संख्या	196	252	301	251	1000	217.67
प्रतिशत	19.6	25.2	30.1	25.1	100	

महत्वपूर्ण df = 4 $\chi 2$ 0.05 स्तर = 9.488 पर

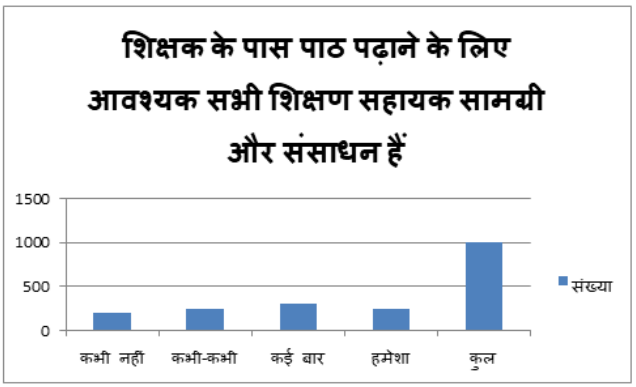

आकृति 2: शिक्षक के पास पाठ पढ़ाने के लिए आवश्यक सभी शिक्षण सहायक सामग्री और संसाधन हैं।

www.ignited.in

तालिका दर्शाती है कि χ2 का परिकलित मान 148.5 पाया गया जो 0.05 स्तर पर तालिका मान से अधिक है। उत्तरदाताओं का झुकाव (29.3%) "कई बार" की ओर है इसलिए कथन "शिक्षक पाठ के उद्देश्यों को राष्ट्रीय पाठ्यक्रम से जोड़ता है" स्वीकार किया जाता है। इसे निम्नलिखित चित्र में भी प्रस्तुत किया गया है

तालिका 3: शिक्षक पाठ के उद्देश्यों को राष्ट्रीय पाठ्यचर्या से जोड़ता है

	कभी नहीं	कभी-कभी	कई बार	हमेशा	कुल	χ2
संख्या	218	281	293	208	1000	148.5
प्रतिशत	21.8	28.1	29.3	20.8	100	

महत्वपूर्ण df = 4 χ2 0.05 स्तर = 9.488 पर

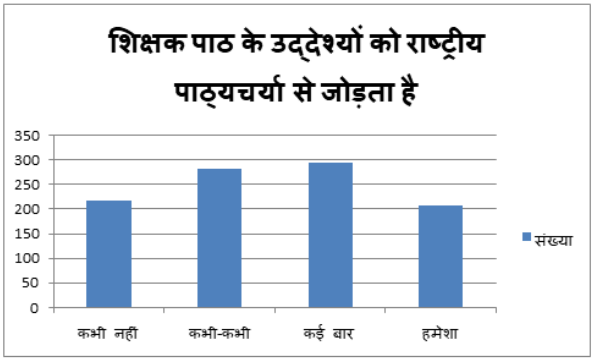

आकृति 3: शिक्षक पाठ के उद्देश्यों को राष्ट्रीय पाठ्यचर्या से जोड़ता है

तालिका दर्शाती है कि χ2 का परिकलित मान 195 पाया गया जो 0.05 स्तर पर तालिका मान से अधिक है। उत्तरदाताओं का झुकाव (28.7%) "कभी-कभी " की ओर है इसलिए यह कथन "शिक्षक पाठ पढ़ाने के बाद छात्रों का मूल्यांकन करने का प्रयास करता है" कुछ हद तक स्वीकार्य है। इसे निम्नलिखित चित्र में भी प्रस्तुत किया गया है।

तालिका 4: शिक्षक पाठ पढ़ाने के बाद छात्रों का मूल्यांकन करने का प्रयास करें

	कभी नहीं	कभी-कभी	कई बार	हमेशा	कुल	χ2
संख्या	200	287	275	238	1000	195
प्रतिशत	20.0	28.7	27.5	23.8	100	

महत्वपूर्ण df = 4 χ2 0.05 स्तर = 9.488 पर

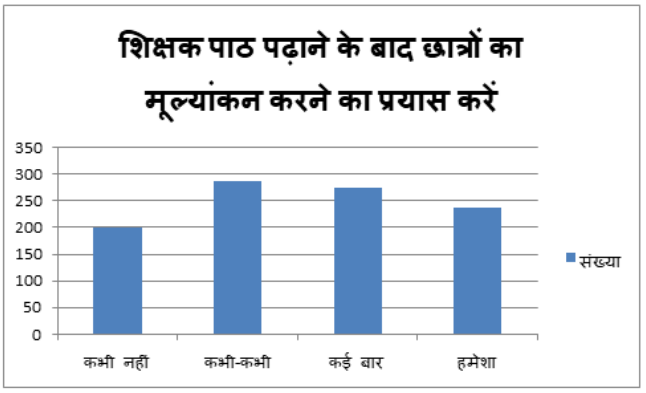

आकृति 4: शिक्षक पाठ पढ़ाने के बाद छात्रों का मूल्यांकन करने का प्रयास करें

भावनात्मक बुद्धिमत्ता शिक्षक प्रभावशीलता का सहसंबंध- कुल नमूना अध्ययन

शिक्षक प्रभावशीलता और समग्र भावनात्मक बुद्धि और उसके आयामों के बीच संबंध को देखने के लिए अध्ययन के इस भाग में विश्लेषण और व्याख्या की गई है। कुल नमूना अध्ययन के संबंध में माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता और भावनात्मक बुद्धिमत्ता के बीच सहसंबंध के गुणांक तालिका में प्रदान किए गए हैं और फिर भावनात्मक बुद्धिमत्ता के आयामों के संबंध में माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता के बीच सहसंबंध के गुणांक तालिका में प्रदान किए गए हैं।

तालिका 5: शिक्षक प्रभावशीलता और माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता के बीच सहसंबंध का गुणांक - कुल नमूना अध्ययन

(N=500)

चर	सहसंबंध गुणांक	स्तर का महत्व
शिक्षक प्रभावशीलता	.73	.01
भावनात्मक बुद्धिमत्ता		

तालिका 4.52 से पता चलता है कि कुल नमूना अध्ययन के संबंध में माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता और भावनात्मक बुद्धिमत्ता के बीच सहसंबंध का गुणांक .73 है, जो .01 स्तर से परे महत्वपूर्ण है। यह इंगित करता है कि दो चरों के बीच संबंध सकारात्मक है और कुल नमूना अध्ययन में शिक्षक प्रभावशीलता और भावनात्मक बुद्धि के बीच एक उच्च महत्वपूर्ण सकारात्मक संबंध पाया जाता है। यह सुझाव देता है कि भावनात्मक बुद्धि में वृद्धि के साथ माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की प्रभावशीलता काफी हद तक बढ़ जाती है और भावनात्मक

www.ignited.in

बुद्धि में कमी के साथ शिक्षक प्रभावशीलता के स्तर में काफी हद तक कमी आने की संभावना है।

इसलिए, वर्तमान अध्ययन की परिकल्पना-1 (H-1) कि, कुल नमूना अध्ययन के लिए "शिक्षक प्रभावशीलता और भावनात्मक बुद्धिमत्ता के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।"।

तालिका 6 कुल नमूने में शिक्षक प्रभावशीलता और भावनात्मक बुद्धिमत्ता के विभिन्न आयामों के बीच सहसंबंध का गुणांक

(N=500)

भावनात्मक बुद्धिमत्ता के आयाम	सहसंबंध के गुणांक	स्तर का महत्व
स्व जागरूकता	.54	.01 स्तर
समानुभूति	.47	.01 स्तर
स्व प्रेरणा	.55	.01 स्तर
भावनात्मक स्थिरता	.59	.01 स्तर
प्रबंध संबंध	.59	.01 स्तर
अखंडता	.61	.01 स्तर
आत्म विकास	.40	.01 स्तर
मूल्य अभिविन्यास	.27	.01 स्तर
प्रतिबद्धता	.27	.01 स्तर
परोपकारी व्यवहार	.28	.01 स्तर

यह तालिका से देखा जा सकता है कि भावनात्मक बुद्धि के सभी दस आयाम शिक्षक प्रभावशीलता के संबंध में सकारात्मक गुणांक प्रदर्शित करते हैं। यह इंगित करता है कि शिक्षक प्रभावशीलता और भावनात्मक बुद्धि के आयामों के बीच संबंध सकारात्मक दिशा में हैं। यह इंगित करता है कि जो शिक्षक आत्म-जागरूकता, सहानुभूति, आत्म-प्रेरणा, भावनात्मक स्थिरता, प्रबंधन संबंध, अखंडता, आत्म-विकास, मूल्य उन्मुखीकरण, प्रतिबद्धता और परोपकारी व्यवहार के संदर्भ में भावनात्मक बुद्धिमत्ता में उच्च पाए जाते हैं, उनके होने की संभावना है। अधिक प्रभावी शिक्षक। इसके अलावा, इसका अर्थ यह लगाया जा सकता है कि भावनात्मक बुद्धि के सभी आयाम माध्यमिक शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता के साथ एक महत्वपूर्ण सकारात्मक जुड़ाव प्रकट करते हैं।

निष्कर्ष

विश्लेषण एक प्रक्रिया है जो किसी न किसी रूप में अनुसंधान में प्रवेश करती है, विधियों के निर्धारण में समस्या के चयन में और एकत्र किए गए डेटा की व्याख्या और निष्कर्ष निकालने में बहुत शुरुआत करती है। आँकड़ों के विश्लेषण का अर्थ निहित तथ्यों की खोज के लिए संगठित सामग्री का अध्ययन करना है। व्याख्या व्याख्यात्मक अवधारणाओं की स्थापना की ओर ले जाती है जो भविष्य के शोध अध्ययनों के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में काम कर सकती है। अनुसंधान केवल व्याख्या के माध्यम से बेहतर सराहना कर सकता है कि उसके निष्कर्ष क्या हैं और दूसरों को उसके शोध निष्कर्षों के वास्तविक महत्व को समझने में मदद कर सकते हैं। इसलिए, घोषित उद्देश्यों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान अध्याय परिणामों के विश्लेषण, व्याख्या और चर्चा के लिए समर्पित है। यह शोध की समग्र प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण चरण है। डेटा का विश्लेषण और व्याख्या दोनों एक साथ अनुसंधान प्रक्रिया के लिए आगमनात्मक और निगमनात्मक तर्क के अनुप्रयोग का प्रतिनिधित्व करते हैं।

संदर्भ

1. अकोपोरे, दोराह अटाफिया **(2010)** माध्यमिक विद्यालयों में उत्पादकता पर पर्यावरण का प्रभाव, शिक्षा और प्रौद्योगिकी के अफ्रीकी जर्नल, नाइजीरिया, **116-122**।

2. अकोपोरे, दोराह अटाफिया **(2010)** माध्यमिक विद्यालयों में उत्पादकता पर पर्यावरण का प्रभाव, शिक्षा और प्रौद्योगिकी के अफ्रीकी जर्नल, नाइजीरिया, **116-122**।

3. अनाकुल एच.एस., देथे एस एंड धर, यू. **(2001)** मैनुअल फॉर इमोशनल इंटेलिजेंस स्केल, वेदांत प्रकाशन, लखनऊ।

4. अनीशा वी. गोपालकृष्णन **(2008)**। माध्यमिक शिक्षक शिक्षा के छात्रों की आत्म-प्रभावकारिता और शिक्षण योग्यता के बीच संबंध। न्यू फ्रंटियर्स इन एजुकेशन, **41(03), 305-317**।

5. अमनदीप, गुरप्रीत. **(2005)**। शिक्षण योग्यता के संबंध में शिक्षक प्रभावशीलता का अध्ययन। शिक्षा और मनोविज्ञान में हालिया शोध। **71(6), 137-140**

6. अमरम, वाई। **(2007)**। आध्यात्मिक बुद्धि के सात आयाम: एक विश्वव्यापी आधारभूत सिद्धांत। द अमेरिकन जर्नल ऑफ ह्यूमन रिसोर्सेज मैनेजमेंट रिसर्च साइकोलॉजिकल एसोसिएशन, सैन फ्रांसिस्को, सीए के **115**वें वार्षिक सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया गया।

7. अमलदास जेवियर, एस., और अमलराज, ए. **(2003)**। रसायन विज्ञान में छात्रों की उपलब्धि के संबंध में स्नातकोत्तर रसायन विज्ञान के शिक्षकों की शिक्षण

www.ignited.in

क्षमता (अप्रकाशित डॉक्टरेट शोध प्रबंध)। मनोनमनियम सुंदरनार विश्वविद्यालय, तिरुनेलवेली, तमिलनाडु।

8. अमलदास जेवियर, एस। **(2009)**। नौकरी से संतुष्टि और शिक्षण योग्यता के बीच संबंध। शिक्षा पर अनुसंधान और प्रतिबिंब, **7(2), 22-24**।

9. चक्रवर्ती, मोहित, **(2004)** टीचर एजुकेशन, कनिष्क पब्लिशर्स, नई दिल्ली।

10. चाहर, एस.एस. **(2005)**। कुछ गैर-संज्ञानात्मक चरों के संबंध में छात्र-अध्यापकों की शिक्षण योग्यता का अध्ययन। (अप्रकाशित डॉक्टरेट शोध प्रबंध)। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा।

11. चेर्निस, सी एंड गोलमैन, डी. **(2001)** द इमोशनली इंटेलिजेंट वर्कप्लेस, जोसी-बास, सैन फ्रांसिस्को।

12. चोंग पेई वेन **(2010)** फ्रांस और नॉर्वे में विशेष शिक्षा शिक्षक प्रशिक्षण का तुलनात्मक विश्लेषण: कितना प्रभावी, सिखाया गया क्षेत्र और सुधार के लिए सिफारिश, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशनल मैनेजमेंट, हांगकांग।

13. हैरिस, ए. और डी. मुइज। (2005) इंप्रूविंग स्कूल थ्रू टीचर लीडरशिप।

Corresponding Author

Reena Chauhan*

Research Scholar, Shri Krishna University, Chhatarpur M.P.